रणजीत टाइम्स

इंदौर

शुक्रवार, 27 मार्च, 2026

वर्ष 02 | अंक 79 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

MP में शराब दुकानों के समूह के साथ एकल दुकानों के भी होंगे ई-टेंडर,

12403 करोड़ रुपये का राजस्व मिलना हुआ तय

मध्य प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के ई-टेंडर का सातवां चरण पूरा हो गया। 1,172 समूहों में से 658 समूह की शराब दुकानें नीलाम हो चुकी हैं। इससे सरकार को 12,403 करोड़ रुपये का राजस्व मिलेगा, जो कि गत वर्ष की तुलना में 7.75 प्रतिशत अधिक है। शेष दुकानों के लिए आठवें चरण की नीलामी होगी।

एकल ई-टेंडर भी किए जाएंगे

इसमें 514 समूहों की शराब दुकानों के लिए

समूह के साथ एकल ई-टेंडर भी किए जाएंगे। इसके लिए 27 मार्च दोपहर 12 बजे तक फॉर्म स्वीकार होंगे। प्रदेश सरकार ने वर्ष 2026-27 में आबकारी से 19,500 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य रखा है। आबकारी आयुक्त दीपक सक्सेना ने बताया कि अभी तक जो दुकानें समूह में नीलाम हुई हैं, उनसे गत वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत के लक्ष्य के विरुद्ध 29 प्रतिशत अधिक राजस्व प्राप्त हुआ है।

क्या है नीलामी शुरू और बंद होने का समय?

शेष दुकानों के लिए आठवें चरण के ई-टेंडर कम ऑक्शन फॉर्म 27 मार्च को दोपहर 12.05 बजे खोले जाएंगे। नीलामी शुरू और बंद होने का समय 4.30 से शाम 5.30 बजे तक रहेगा। समूह में दी जाने वाली शराब दुकानों के आवंटन के लिए ऑफसेट रिजर्व प्राइज से अधिकतम 15 प्रतिशत से कम दर के ऑफर स्वीकार नहीं किए जाएंगे। अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि आरक्षित मूल्य के 85 प्रतिशत से कम का ऑफर प्रस्तुत न किया जा सके। सातवें चरण के लिए बनाए गए समूहों को आठवें चरण में भी यथावत रखा जाएगा लेकिन अगर समूह के पुनर्गठन से राजस्व बढ़ने की संभावना है तो आवश्यकता के आधार पर समूहों का पुनर्गठन भी किया जा सकेगा।

होर्मुज, चाबहार और खार्ग पर कब्जे की तैयारी? ईरान ने अमेरिका समेत दुश्मन देशों को दी चेतावनी

मध्य-पूर्व में तनाव के बीच अमेरिका ईरान में बड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है। ऐसे में अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट, चाबहार और खार्ग पर नजरे गड़ाए हुए है। इस पर कब्जा कर अमेरिका तेहरान को रणनीतिक रूप से घेरने की कोशिश कर सकता है। इसी कड़ी में ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर कालीबाफ की तरफ से बड़ा बयान सामने आया है, जिसको लेकर उन्होंने दुश्मन देशों को कड़ी चेतावनी दी है।

कालीबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'X' पर स्पष्ट किया है कि कुछ खुफिया रिपोर्टों के आधार पर ईरान के दुश्मन क्षेत्रीय देशों में से किसी एक के समर्थन से ईरान के द्वीपों में से एक पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं। हमारी सेनाएं दुश्मन की सभी गतिविधियों पर नजर रख रही हैं, और यदि वे कोई भी कदम उठाते हैं, तो उस क्षेत्रीय देश के सभी महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को लगातार और निरंतर हमलों से निशाना बनाया जाएगा।'

इसी बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी अपना पक्ष रखते हुए कहा है कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने मुख्य युद्ध उद्देश्यों को हासिल करने में पूरी तरह विफल रहा है। उनके अनुसार, अमेरिका न तो त्वरित सैन्य जीत दर्ज कर पाया और न ही तेहरान में सत्ता परिवर्तन करने के अपने लक्ष्य में सफल हुआ। हालांकि, रिपोर्टों से संकेत मिलते हैं कि अमेरिका मध्य पूर्व में अपनी सैन्य उपस्थिति को अभूतपूर्व स्तर पर बढ़ा रहा है।

मिडिल-ईस्ट में 2000 अतिरिक्त सैनिक तैनात पेंटागन ने हाल ही में उत्तरी कैरोलिना स्थित अपने बेस से 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के लगभग 2,000 अतिरिक्त सैनिकों को मध्य पूर्व भेजने का आदेश दिया है। इसके अलावा, दो प्रमुख मरीन एक्सपेडिशनरी यूनिट्स भी इस क्षेत्र की ओर बढ़ रही हैं, जिनमें जापान से 'त्रिपोली एम्फीबियस रेडी ग्रुप' और सैन डिएगो से 'बॉक्सर एम्फीबियस रेडी ग्रुप' शामिल हैं। इन नई तैनातियों के साथ मध्य पूर्व में पहले से मौजूद

50,000 अमेरिकी सैनिकों की संख्या में 6,000 से 7,000 अतिरिक्त नौसैनिक और नाविक जुड़ जाएंगे। इराक युद्ध के बाद संभवतः सबसे बड़ी तैनाती सैन्य विशेषज्ञों का मानना है कि 2003 के इराक युद्ध के बाद से यह अमेरिका की सबसे बड़ी तैनातियों में से एक है। हालांकि अभी तक किसी जमीनी कार्रवाई का औपचारिक आदेश नहीं दिया गया है, लेकिन बल की इस विशाल संरचना और अमेरिकी अधिकारियों के बयानों से तीन मुख्य परिदृश्य उभर कर सामने आ रहे हैं। इनमें पहला लक्ष्य चाबहार या ईरान के प्रमुख तेल केंद्र खार्ग द्वीप की नाकेबंदी अथवा उस पर नियंत्रण करना हो सकता है। दूसरा संभावित कदम हॉर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने के लिए ईरान की तटरेखा को साफ करना हो सकता है। अंततः सबसे गंभीर स्थिति में अमेरिकी सेना ईरान की परमाणु सामग्री और संबंधित केंद्रों को अपने नियंत्रण में लेने या उन्हें सुरक्षित करने की कोशिश कर सकती है।

अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं', ईरान के विदेश मंत्री ने शांति वार्ता पर दिया बयान

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान और अमेरिका के संबंध एक बार फिर चर्चा में हैं। दोनों देशों के बीच हालिया घटनाओं के बाद स्थिति और संवेदनशील हो गई है। इसी बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह अमेरिका के साथ सीधे किसी बातचीत में शामिल नहीं है, बल्कि सिर्फ मध्यस्थों के जरिए दोनों देशों के बीच संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है। यह बयान ऐसे समय आया है जब क्षेत्र में सैन्य गतिविधियां तेज हो चुकी हैं और कूटनीतिक स्थिति अनिश्चित बनी हुई है।

अमेरिका की ओर से भेजे गए संदेश - ईरान

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने बताया कि पिछले कुछ दिनों में अमेरिका की ओर से अलग-अलग माध्यमों से संदेश भेजे गए हैं। इन संदेशों का जवाब ईरान अपने मित्र देशों के जरिए दे रहा है। हालांकि उन्होंने साफ किया कि इसे बातचीत या नेगोशिएशन नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह केवल संदेशों का आदान-प्रदान है। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान अपने सिद्धांतों पर कायम है और किसी दबाव में आकर निर्णय नहीं लेगा। अराघची ने यह भी संकेत दिया कि कुछ संदेशों में अमेरिका को ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला न करने की चेतावनी दी गई थी। इसके बाद अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर संभावित हमले की अपनी चेतावनी को वापस ले लिया। यह घटनाक्रम क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अपनी शर्तों पर युद्ध समाप्त करेगा ईरान

ईरान ने दोहराया कि वह युद्ध शुरू करने वाला देश नहीं है और वह इस संघर्ष को समाप्त करना चाहता है, लेकिन वह ऐसा

सिर्फ अपनी शर्तों पर करेगा। विदेश मंत्री ने कहा कि उनका देश किसी ऐसे समझौते के पक्ष में नहीं है जो केवल अस्थायी शांति लाए। उनका मानना है कि बार-बार युद्ध, बातचीत और युद्धविराम का चक्र एक खतरनाक स्थिति पैदा करता है। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल किसी औपचारिक बातचीत की कोई योजना नहीं है। उसकी प्राथमिकता देश की सुरक्षा और प्रतिरोध क्षमता को बनाए रखना है। सरकार का मानना है कि मौजूदा हालात में बातचीत का कोई ठोस परिणाम नहीं निकलेगा और इससे केवल समय की बर्बादी होगी।

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज के नए इंतजामों पर विचार कर रहा ईरान

स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज को लेकर भी ईरान ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। यह जलमार्ग ईरान और ओमान के क्षेत्रीय जल में आता है और वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ईरान इस क्षेत्र में जहाजों की सुरक्षित आवाजाही के लिए नए इंतजामों पर विचार कर रहा है। हालिया घटनाओं में अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर हमलों और उसके जवाब में ईरान की सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर दिया है। इसके चलते स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में जहाजों की आवाजाही पर भी असर पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव इसी तरह बढ़ता रहा, तो वैश्विक तेल बाजार पर भी इसका गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

युगप्रवर्तक डॉ. हैडगेवार' का मंचन

श्री गुरूजी सेवा न्यास इंदौर द्वारा अभिनव आयोजन

राजेश धाकड़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन पर आधारित प्रेरक नाट्य 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' का मंचन इंदौर में 27-28-29 मार्च को 'माधव सृष्टि' श्री गुरूजी सेवा न्यास, बॉम्बे हॉस्पिटल के पीछे इंदौर में प्रतिदिन रात्रि 07 से 09:30 आयोजित होगा । श्री गुरूजी सेवा न्यास द्वारा आयोजित इस नाटक में डॉ. हेडगेवार के जीवन के प्रेरक प्रसंगों का प्रदर्शन किया जाएगा। श्री गुरूजी सेवा न्यास के सचिव संदीप जमींदार ने बताया कि डॉ. हेडगेवार ने भारत की हजारों वर्षों की गुलामी के पश्चात राष्ट्र को संगठित करने का संकल्प लिया था। वे कांग्रेस से जुड़े रहे और स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाई। 1925 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना कर उन्होंने समाज को एकता, अनुशासन और राष्ट्रप्रेम की भावना से जोड़ने का कार्य किया।

नाटक 'युगप्रवर्तक डॉ. हेडगेवार' में उनके जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को मंच पर जीवंत किया जाएगा। इसमें स्वतंत्रता आंदोलन के गरम दल और अहिंसक विचारधारा के टकराव, हिंदू समाज की निष्क्रियता, डॉ. हेडगेवार पर लगे राजद्रोह के मुकदमे, तिलकजी, योगी अरविंद और सावरकर से प्राप्त वैचारिक प्रेरणाओं को प्रभावशाली अभिनय के माध्यम से जन्म से लेकर अवसान तक की यात्रा प्रस्तुत की जाएगी । नाटक में दिखाया जाएगा कि कैसे डॉ. हेडगेवार ने संगठन के शाश्वत स्थायित्व की परिकल्पना की और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की नींव रखी। साथ ही सुभाषचंद्र बोस के मन में सैनिकी संगठन की प्रेरणा और संघ के चरित्र निर्माण की प्रक्रिया को भी मंच पर दर्शाया जाएगा।

इस नाट्य को नागपुर के सुप्रसिद्ध नाट्य मंच "नाद ब्रह्म" द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा तथा नागपुर से 50 कलाकारों द्वारा इसका मंचन किया जायेगा। मंचन में लाइट, साउंड एवं अत्याधुनिक तकनीक का समावेश किया जायेगा जिससे नाट्य प्रस्तुति जीवंत प्रतीत होगी। संयोजक मनीषी श्रीवास्तव ने बताया कि कि यह यह नाटक प्रतिदिन एक शो तथा कुल तीन दिन दिखाया जायेगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक डॉ. हेडगेवार के विचार और राष्ट्र निर्माण की भावना पहुँच सके। यह नाट्य प्रस्तुति न केवल ऐतिहासिक संदर्भों का पुनर्पाठ है, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत भी है, जो संगठन, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति के आदर्शों पर आधारित है।

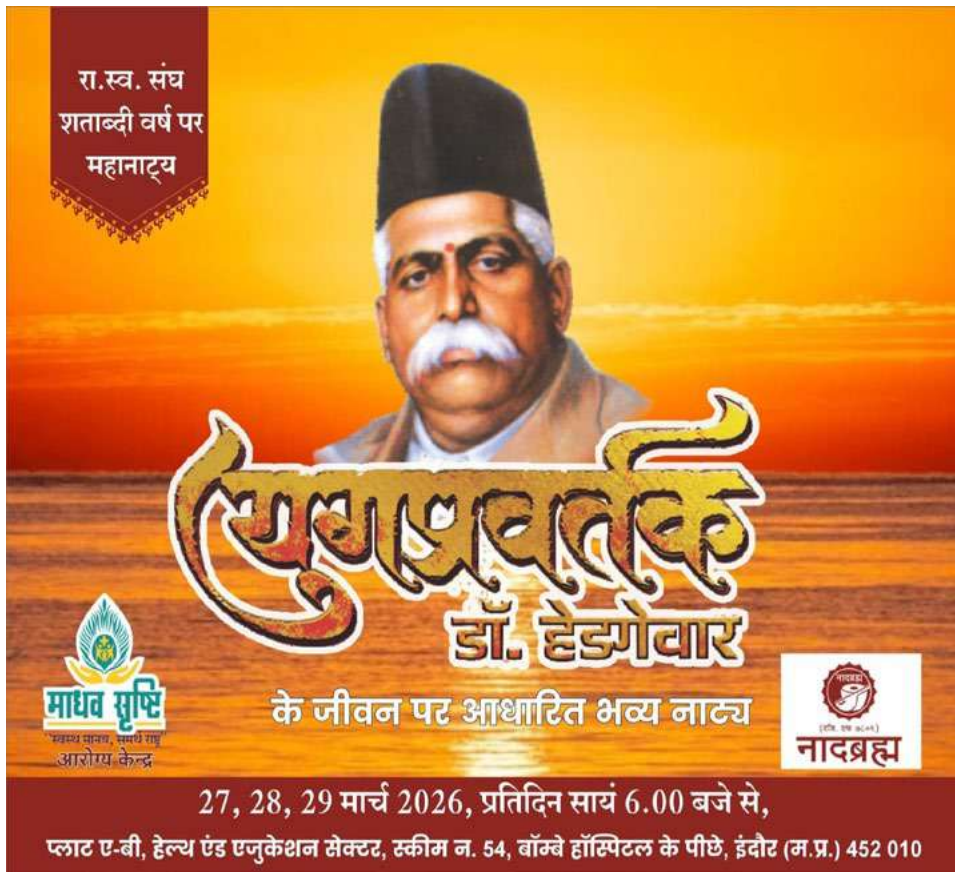

खुले मैदान में फैक्ट्री का कचरा फेंकने पर 50 हजार का स्पॉट फाइन

खुले में कचरा फेंकना पड़ा महंगा

राजेश धाकड़

इंदौर। शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर निगम द्वारा सख्त कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में जोन 01 के वार्ड क्रमांक 16, स्कीम नंबर 155 स्थित खुले मैदान में फैक्ट्री द्वारा कचरा फेंकने का मामला सामने आया। टीम बेसिक्स द्वारा क्षेत्र की मॉनिटरिंग के दौरान उक्त स्थान पर फैक्ट्री का कचरा पाए जाने पर जांच की गई। कचरे में मिले एविडेंस के आधार पर संबंधित फैक्ट्री की पहचान की गई और इसकी सूचना सीएसआई विवेक यादव को दी गई। मौके पर सीएसआई सत्येंद्र तोमर भी उपस्थित रहे।

नगर निगम की टीम द्वारा फैक्ट्री पर पहुंचकर मालिक के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए 50,000 रुपये का स्पॉट फाइन किया गया। साथ ही फैक्ट्री संचालक को भविष्य में खुले में कचरा न फेंकने के लिए सख्त हिदायत और समझाइश दी गई। इस कार्रवाई के दौरान बल्क सुपरवाइजर संजय भी मौके पर मौजूद रहे। निगम अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि शहर में गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ इसी तरह सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को ईमेल द्वारा बम से उड़ाने की धमकी मची अफरातफरी

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल में गुरुवार को उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। सूचना मिलते ही पुलिस और बीडीएस टीम मौके पर पहुंची और दोनों परिसरों में सघन तलाशी अभियान शुरू किया गया। शहडोल डाकघर अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह ने बताया कि उन्हें भोपाल स्थित हेड ऑफिस से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक अज्ञात ईमेल के माध्यम से पासपोर्ट कार्यालय और पोस्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। जिसमें यह साफ नहीं था कि वह प्रदेश के किस जिले के लिए है। शहडोल डाकघर अधीक्षक ने एहतियान सूचना मिलते ही उन्होंने तत्काल पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। इसके बाद कोतवाली पुलिस और बम निरोधक दस्ता टीम हरकत में आई और शहर के मुख्य डाकघर सहित पासपोर्ट कार्यालय पहुंचकर जांच शुरू की।

शहर के व्यस्त इलाके में स्थित मुख्य डाकघर में जैसे ही पुलिस और बीडीएस टीम पहुंची, वहां मौजूद लोगों में हलचल मच गई। बम निरोधक दस्ते ने डॉग स्क्वॉड के साथ पूरे परिसर की बारीकी से जांच की। इसी तरह पासपोर्ट कार्यालय में भी व्यापक जांच की गई, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। सीएसपी राजेंद्र मोहन दुबे ने बताया कि यह कार्रवाई एहतियात के तौर पर की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में इस तरह की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हैं और सभी संवेदनशील स्थानों की जांच की जा रही है। शहडोल में भी इसी क्रम में मुख्य डाकघर और पासपोर्ट कार्यालय में चेकिंग अभियान चलाया गया। हालांकि जांच के दौरान कहीं भी कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक सामग्री नहीं मिली, जिससे प्रशासन ने राहत की सांस ली है प्रशासन को अभी भी सतर्क रहने की निर्देश दिए गए हैं ।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जन्मोत्सव बड़ी हर्ष की बात है कि आज भगवान राम का जन्म उत्सव है

राजेश धाकड़

अयोध्या नगरी उस दिन कुछ अलग ही लग रही थी। गलियों में सजावट, मंदिरों में दीपों की रोशनी और हर चेहरे पर एक अनोखी खुशी थी। कारण था—चैत्र मास की नवमी, वह पावन दिन जब भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। राजा दशरथ के महल में वर्षों से एक ही चिंता थी—संतान की। कई यज्ञ और प्रार्थनाओं के बाद आखिरकार वह शुभ घड़ी आई। महल में जैसे ही यह समाचार फैला कि रानी कौशल्या ने एक दिव्य बालक को जन्म दिया है, पूरा अयोध्या हर्ष से झूम उठा। उस रात आकाश भी जैसे उत्सव मना रहा था। चाँद की रोशनी और सितारों की चमक कुछ

ज्यादा ही उजली लग रही थी। महल के भीतर, माता कौशल्या अपने नवजात शिशु को देख रही थीं—उस बालक के चेहरे पर एक अद्भुत तेज था, मानो स्वयं धर्म और मर्यादा ने जन्म लिया हो। गुरु वशिष्ठ ने जब बालक को देखा तो उन्होंने कहा, "यह कोई साधारण बालक नहीं, यह युगों-युगों तक मानवता को मार्ग दिखाने वाला होगा।" तभी से उसका नाम रखा गया—राम। अयोध्या की गलियों में मिठाइयाँ बाँटी जाने लगीं, ढोल-नगाड़े बजने लगे और हर ओर "जय श्रीराम" के स्वर गूंज उठे। गरीब से लेकर अमीर तक, हर कोई इस खुशी में शामिल था। ऐसा लग रहा था जैसे पूरी प्रकृति इस दिव्य जन्म का स्वागत कर रही हो।

एक छोटी सी बालिका, जो महल के बाहर खड़ी थी, अपनी माँ से पूछ बैठी, "माँ, क्या ये राजकुमार सच में इतने खास हैं?" माँ मुस्कुराई और बोली, "हाँ बेटी, ये सिर्फ अयोध्या के राजकुमार नहीं, ये हर दिल के भगवान बनेंगे।" समय बीतता गया, लेकिन उस दिन की खुशी और उल्लास कभी कम नहीं हुआ।

हर वर्ष उसी दिन लोग रामनवमी के रूप में भगवान राम के जन्मोत्सव को मनाते हैं—सिर्फ एक जन्मदिन नहीं, बल्कि सत्य, धर्म और आदर्शों के जन्म का उत्सव। और तभी से, हर बार जब रामनवमी आती है, अयोध्या की वो खुशियाँ, वो रोशनी और वो "जय श्रीराम" की गूंज फिर से जीवंत हो उठती है।

स्वच्छता नियमों पर नगर पालिका सख्त उल्लंघन करने वाले पर हुई कार्रवाई

प्रदीप सिंह बघेल

नगर पालिका परिषद शहडोल द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए निरंतर अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में विशेष निरीक्षण करते हुए स्वच्छता नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की गई। चौपाटी क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान कुछ दुकानदारों को गंदगी फैलाते हुए पाए जाने पर नगर पालिका की टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 1000 का जुर्माना अधिरोपित किया। साथ ही, प्रतिबंधित पॉलिथीन के उपयोग पर संबंधित दुकानदारों को कड़ी चेतावनी दी गई। निरीक्षण के दौरान टीम ने दुकानदारों को निर्देशित किया कि वे अपनी दुकानों में अनिवार्य रूप से डस्टबिन रखें तथा कचरे का निपटान केवल निर्धारित कचरा वाहनों के माध्यम से ही करें। नियमों की अनदेखी करने पर भविष्य में और कठोर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

इसी क्रम में बुढार चौक क्षेत्र में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान दो दुकानदारों के पास से कुल 5.3 किलोग्राम प्रतिबंधित पॉलिथीन जब्त की गई। इस उल्लंघन पर संबंधित दुकानदारों से 1000 का जुर्माना वसूला गया। इस प्रकार स्वच्छता नियमों के उल्लंघन एवं पॉलिथीन प्रतिबंध के मामलों में कुल 2000 की राशि वसूल की गई। नगर पालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में स्वच्छता नियमों एवं पॉलिथीन प्रतिबंध का सख्ती से पालन कराया जाएगा और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निरंतर कार्रवाई जारी रहेगी।मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की है कि वे शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें, डस्टबिन का उपयोग करें तथा प्रतिबंधित पॉलिथीन का प्रयोग पूर्णतः बंद करें अन्यथा कार्यवाही जारी रहेगी ।

रामनवमी पर भक्ति और सेवा का संगम, विशाल प्रभातफेरी में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

इंदौर में रामनवमी का पावन पर्व इस वर्ष विशेष श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया, जहां श्री केंद्रीय साईं सेवा समिति धार्मिक एवं मानव सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में एक भव्य प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। यह प्रभातफेरी बड़े गणपति मंदिर से प्रारंभ होकर छत्रीबाग स्थित साईं मंदिर तक निकाली गई, जिसमें सैकड़ों साईं भक्तों ने भाग लेकर पूरे मार्ग को भक्ति और श्रद्धा से सराबोर कर दिया।

6 सुबह के समय निकली इस प्रभातफेरी में श्रद्धालु हाथों में ध्वज, भजन और जयकारों के साथ आगे बढ़ते नजर आए। वातावरण "जय श्री राम" और "साईं राम" के जयघोष से गूंज उठा, जिससे पूरे क्षेत्र में एक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। प्रभातफेरी के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर भक्तों द्वारा स्वागत और सेवा की व्यवस्था भी की गई। गोरा कुंड चौराहे पर पांडुरंग भजन मंडल, नेहरू नगर द्वारा विशेष मंच सजाकर प्रभातफेरी का स्वागत किया गया। यहां समिति के अध्यक्ष गौतम सुरेंद्र पाठक का वारकरी संप्रदाय की परंपरा अनुसार टोपी और गमछा पहनाकर भव्य सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ा दिया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं में उत्साह का संचार किया। इस अवसर पर भजन-कीर्तन की मधुर प्रस्तुतियों ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। पांडुरंग भजन मंडल के कलाकारों ने अपनी संगीतमय प्रस्तुति से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया और प्रभातफेरी को एक सांस्कृतिक रंग भी प्रदान किया। कार्यक्रम में समाज के कई प्रमुख सदस्य और साईं भक्त उपस्थित रहे, जिनमें चंद्रकांत कुंजीर, चंदू भैया, सुनील भरथरी, खंडागले, पांडू, विनोद गोसर, संजय शिंदे, भाऊ साहब, स्वाति मोहिते, समीर जोशी, प्रदीप यादव, मोहन पालीवाल, मोहन पहलवान, सन्नी पठारे एवं बुधे काका सहित अनेक श्रद्धालुओं ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। पूरे आयोजन के दौरान अनुशासन, सेवा और भक्ति का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। यह प्रभातफेरी न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बनी, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और सेवा भावना का संदेश भी देती नजर आई। रामनवमी के इस पावन अवसर पर आयोजित यह आयोजन निश्चित रूप से सभी के लिए एक यादगार और प्रेरणादायक अनुभव बन गया।

आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है

गुरु सुकरात दिखने में सुंदर नहीं थे। एक दिन वे आईना हाथ में ले कर चेहरे को निहार रहे थे। तभी उनका शिष्य वहाँ आया और अपने गुरु को आईना देखते देखकर उसे अजीब सा लगने लगा। वह कुछ बोला नहीं बस मुस्कुराने लगा। गुरु सुकरात अपने शिष्य के मुस्कुराहट का अर्थ समझ गये। और, अपने

शिष्य को समझाते हुये बोले, "मैं तुम्हारे मुस्कुराने का अर्थ समझ गया। तुम सोच रहे होगे कि मुझ जैसा कुरुप व्यक्ति अपने को आईने में क्यों देख रहा है। जानते हो मैं आईना क्यों देखता हूँ।" "नहीं" शिष्य का जवाब था। सुकरात मुस्कुराते हुए बोले, " मैं कुरुप हूँ इसीलिए आईना देखता हूँ क्योंकि आईना देखने पर मुझे कुरुपता का आभास होता है और मैं प्रयास करता हूँ कि कुछ ऐसा अच्छा काम करुं जिससे मेरी कुरुपता ढक जाये।" शिष्य को यह बात बहुत प्रेरणास्पद लगी। एक और संशय से शिष्य ने पूछा, "सुंदर लोग भी तो आईना देखते हैं। वो तो अपना ऊपरी सौंदर्य ही देखते हैं।" गुरु सुकरात बोले कि वे भी आईना देखकर अपने सौंदर्य पर गर्व करते हैं, अच्छी बात है। पर, साथ ही यह प्रयास भी करना चाहिए कि अपने अंदर के सौंदर्य को भी बढ़ाये ताकि ऊपर का सौंदर्य सदा बरकरार रहे व और निखरे।" शिष्य को गुरु की बात समझ में आ गई और वह गुरु के आगे नतमस्तक हो गया। अंदर के सौंदर्य को हम गुरुवर की तरह आईने में नहीं देख सकते हैं। हमें स्वयं को बंद आंखों से देखना होगा। आत्मनिरीक्षण करना होगा। प्रयास करना होगा कि मन और भाव की सुंदरता को बढ़ाये ताकि आंतरिक सौंदर्य की खुशबू औरों तक पहुंचे और उन्हें भी सुंदर बनने की प्रेरणा मिले। इसके लिए सरल मार्ग है सहज योग का मार्ग जिसके माध्यम से स्वयं की बुराइयों से मुक्ति पाकर अंदर के गुणों को विकसित करने की तकनीक हम सीखते हैं। हमारे अंदर के सूक्ष्म शरीर, नाड़ियों और चक्रों के बारे में जानते हैं और उनसे हमारे जीवन में होने वाले उत्थान से भिज्ञ होते हैं। ध्यान के फायदे अनेक हैं प्रेम, क्षमाशीलता, संतोष, कलात्मकता, निर्भयता और नम्रता जैसे गुण स्वयंमेव ही हमारे अंदर स्थापित होने लगते हैं। हमें यह पता ही है कि ऊपरी सौंदर्य स्थायी नहीं होता पर आंतरिक सौंदर्य हमारे चरित्र और जीवन को सुंदर बना देता है। कहते हैं ना 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' तो चलिये गुरु सुकरात की तरह आत्मनिरिक्षण करने की कला सीखते हैं, जुड़ते हैं सहज योग से। सहज योग के बारे में जानने हेतु हमारा टोल फ्री नंबर है 18002700800 पर कॉल कर सकते हैं।

इंदौर रत्न अलंकरण से सम्मानित हुए मोटिवेशनल स्पीकर राजेश कड़ोले

इंदौर। सामाजिक एवं प्रेरणात्मक कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले मोटिवेशनल स्पीकर राजेश कड़ोले को संस्था "The Open Talent Show" एवं कवि, कला और कलाकार कल्याण कोष द्वारा आयोजित कार्यक्रम में "इंदौर रत्न अलंकरण 2026" से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें समाज में सकारात्मक सोच विकसित करने, युवाओं को मार्गदर्शन देने तथा अपने मोटिवेशनल सेशन्स के माध्यम से लोगों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंडित योगेन्द्र महंत जी (पूर्व राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त, म.प्र. शासन) की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनके करकमलों से यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे कार्य समाज को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राजेश कड़ोले निरंतर लोगों को आत्मविश्वास, बिजनेस ग्रोथ और लाइफ ट्रांसफॉर्मेशन के लिए प्रेरित करते आ रहे हैं। उनके द्वारा किए जा रहे कार्य समाज में नई ऊर्जा और दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मानपुर पुलिस की कार्रवाई, अवैध बीयर परिवहन करते दो आरोपी गिरफ्तार

जितेन्द्र वर्मा

महू। ग्रामीण पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के परिवहन एवं तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस थाना मानपुर की टीम दो आरोपियों को पकड़ कर 10 पेटी बीयर जब्त की है। 24 मार्च 2026 को मुखबिर से सूचना मिली कि महू की ओर से एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति बीच में बोरी बांधकर अवैध रूप से शराब ले जाते हुए धामनोद की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने जानवा ब्रिज के ऊपर घेराबंदी की। कुछ ही देर में संदिग्ध मोटरसाइकिल आते दिखाई दी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे, लेकिन तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल के बीच एवं दोनों ओर रस्सियों से बंधी थैलियों में माउंट बीयर केन की 10 पेटियां बरामद हुईं। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम महेन्द्र पिता रंजीत फुलफगर, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम डोंगरगांव, थाना धामनोद, जिला धार रितेश पिता रतन भावरे, उम्र 20 वर्ष, निवासी ग्राम टेमरिया, थाना महेश्वर, जिला खरगोन बताए। दोनों आरोपियों के पास शराब परिवहन का कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं था। इस कार्रवाई में पुलिस ने एक काले रंग की बजाज प्लेटिना मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी11बीसी6943), कीमत लगभग 20,000 रुपये, माउंट बीयर केन की 10 पेटियां (कुल 240 केन, प्रत्येक 500 एमएल) कुल 120 बल्क लीटर बीयर, अनुमानित कीमत 27,600 रुपये जब्त की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। सराहनीय भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मानपुर निरीक्षक महेन्द्र सिंह मकाश्रे, उपनिरीक्षक जसमल मुवेल, आरक्षक विजय (3124), सुशांत (4004), संदीप कास्डे (924) एवं सैनिक जितेन्द्र (327) की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

उम्मीद, एक सुरक्षित कल की ओर कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जितेन्द्र वर्मा

महू। बालिकाओं के मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक उत्थान के उद्देश्य से पुलिस थाना किशनगंज, जिला इंदौर (ग्रामीण) द्वारा "उम्मीद एक सुरक्षित कल की ओर" कार्यक्रम का आयोजन थाना क्षेत्र स्थित वल्लभा गार्डन में किया गया। यह कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक इंदौर (ग्रामीण) श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रूपेश कुमार द्विवेदी, उप पुलिस अधीक्षक श्री उमाकांत चौधरी तथा एसडीओपी महू श्री ललित सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया, श्री धर्मेंद्र पंड्या (अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति), श्रीमती डॉली डिसूजा (काउंसलर), श्रीमती वानी झासीवाले (चाइल्ड काउंसलर), रचना जौहरी, अभिषेक शिक्षा एवम् समाजसेवी सहित अनुविभागीय अधिकारी महू, थाना प्रभारीगण एवं आईटीआई ट्रेनिंग कॉलेज किशनगंज के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर लगभग 250–300 बालिकाएं, उनके परिजन एवं सामाजिक संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें अधिकांश गरीब एवं मजदूर वर्ग से संबंधित थे। कार्यक्रम के प्रमुख उद्देश्य बालिकाओं का मानसिक, सामाजिक एवं भावनात्मक विकास बच्चों को सुरक्षा, अधिकार एवं आत्मविश्वास के प्रति जागरूक करना, काउंसलिंग के

माध्यम से समस्याओं का समाधान, पुलिस एवं समाज के बीच विश्वास एवं संवाद स्थापित करना, शिक्षा, कौशल विकास एवं पारिवारिक मुद्दों पर मार्गदर्शन करना, बच्चों को सकारात्मक सोच एवं आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित करना, हम आपके साथ हैं" का संदेश देना रहा।

संवाद में सुनी बालिकाओं की समस्या

कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं से व्यक्तिगत एवं समूह में संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना गया एवं समाधान हेतु मार्गदर्शन दिया गया। महिला पुलिस की उपस्थिति में एक सुरक्षित एवं संवेदनशील वातावरण सुनिश्चित किया गया तथा गोपनीयता का विशेष ध्यान रखा गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया ने कहा आज हमने न केवल बालिकाओं से संवाद स्थापित किया, बल्कि उनकी सुरक्षा और सहायता के लिए उम्मीद हेल्पलाइन नंबर 7701048800 भी जारी किया है। किसी भी समस्या या आवश्यकता की स्थिति में बालिकाएं एवं उनके परिजन इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। इंदौर (ग्रामीण) पुलिस हमेशा उनके साथ खड़ी है। इस संयुक्त पहल के माध्यम से इंदौर (ग्रामीण) पुलिस एवं बाल कल्याण समिति ने बच्चों में जागरूकता बढ़ाते हुए उन्हें सुरक्षित एवं सशक्त भविष्य की ओर प्रेरित किया।

डिजिटल अरेस्ट, निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़, 6 जालसाज गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी निवेश और ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश करते हुए, अलग अलग राज्यों से बाहरी उत्तरी जिला साइबर सेल ने छह आरोपितों को पकड़ा है। इनकी गिरफ्तारी से 10.6 करोड़ की ठगी की बात सामने आई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 19 लाख रुपये बरामद किए हैं। जिसमें से कुछ रकम अदालत के आदेश पर पीड़ितों को लौटा दी गई हैं।

जिला पुलिस उपायुक्त हरेश्वर वी स्वामी ने बताया कि साइबर सेल की टीम चार शिकायतों की तकनीकी जांच कर रही थी। जिसके जरिए पुलिस को आरोपितों के बारे में जानकारी मिली।

इस जानकारी पर निरीक्षक गोविंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दिल्ली के अलावा झारखंड, उत्तराखंड राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में संयुक्त रूप से छापामारी कर ऑनलाइन ठगी में शामिल छह आरोपितों को पकड़ लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक मामले में बुजुर्ग दंपती को आरोपितों ने डिजिटल अरेस्ट कर 20 लाख रुपये ठग लिए थे। आरोपितों ने खुद को ट्राई और सीबीआई अधिकारी बताकर बुजुर्ग दंपती पर एक सप्ताह तक मानसिक दबाव बनाया और उनसे 20 लाख रुपये अपने बैंक खाते में डलवा लिए।

इस मामले की जांच में पता चला कि 18.5 लाख रुपये बंधन बैंक के खाते में ट्रांसफर हुए थे। बैंक खाता झारखंड के रांची निवासी शशिकांत कुमार के नाम से था। पुलिस टीम ने रांची में छापेमारी कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि आरोपित का खाता 35 शिकायतों से जुड़ा है और इसमें ठगी के दो करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ है। निवेश पर मुनाफा के नाम पर एक शख्स से 7.79 लाख रुपये की ठगी के मामले में पुलिस ने रुड़की उत्तराखंड से खालिद त्यागी को गिरफ्तार किया। उसके खाते में 2.83 लाख रुपये डाले गए थे। जांच में पता चला कि आरोपिक का बैंक खाता 25 शिकायतों और करीब 4.08 करोड़ की ठगी से जुड़ा हुआ है। आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने के मामले में साइबर सेल ने शाहदरा से सचिन मित्तल को गिरफ्तार किया है। उसका बैंक खाता 24 शिकायतों और 1.1 करोड़ की ठगी से जुड़ा पाया गया है। वहीं, चौथे मामले में सिम कार्ड का दुरुपयोग का आरोप लगाकर डिजिटल अरेस्ट का डर दिखाकर आठ लाख की ठगी के मामले में पुलिस ने भोपाल के एक बैंक खाते से पूरी रकम बरामद कर ली।

दिल्ली विधानसभा में आप के बयान पर तीखी आपत्ति, निंदा प्रस्ताव किया पारित

नई दिल्ली, एजेंसी। विधानसभा के बजट सत्र में तीसरे दिन गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं द्वारा स्कूली छात्राओं को लेकर दिए गए कथित बयान पर खासा विरोध देखने को मिला। इस मुद्दे पर सदन में गंभीर आपत्ति जताई गई और विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता द्वारा मामले का संज्ञान लिया गया। दरअसल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बजट 2026-27 में 9वीं कक्षा की हर छात्रा को साइकिल देने की घोषणा की है ताकि उनकी शिक्षा तक पहुंच आसान हो सके। इसके साथ ही 10वीं कक्षा में मेरिट में आने वाली छात्राओं को लैपटाप देने का भी प्रविधान किया गया है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने इसे लेकर कहा था कि इन्हें लेकर उत्तर प्रदेश जाएंगे और अखिलेश यादव की पार्टी का चुनाव प्रचार कराएंगे। समाजवादी पार्टी का चुनाव चिन्ह साइकिल है। अगली बार इन्हें झाड़ू दे देंगे। भाजपा विधायकों ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि राजनीतिक विरोध के नाम पर देश की बेटियों की गरिमा तक को ठेस पहुंचाई जा रही है। विधायक सतीश उपाध्याय ने इस विषय को उठाते हुए कहा कि यह केवल एक बयान का मुद्दा नहीं है,

बल्कि यह महिलाओं और बेटियों के प्रति आम आदमी पार्टी की सोच और मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से दिल्ली की स्कूली बच्चियों को लेकर टिप्पणी की गई, वह न केवल निंदनीय है, बल्कि यह देश की बेटियों का सीधा अपमान है। भाजपा विधायक शिखा राय ने भी इस मुद्दे पर कड़ा विरोध दर्ज करते हुए कहा कि इस प्रकार की टिप्पणियां दिल्ली की बहनों और बेटियों के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह से छात्राओं को राजनीतिक प्रचार का माध्यम बताने की बात कही गई।

अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें, अमेरिकी जनता से बोला आईआरजीसी

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल की ईरान पर संभावित जमीनी सैन्य कार्रवाई के खिलाफ इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी जारी की है। आईआरजीसी ने अमेरिका की जनता को संबोधित करते हुए कहा कि अपने बच्चों को जहन्नुम में न भेजें। वहीं, इस्राइल ने ईरान के कई शहरों पर हमले जारी रखे हैं। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल को आगाह किया है कि वे ईरान की जमीन पर किसी भी संभावित सैन्य कार्रवाई के बारे में न सोचें। आईआरजीसी ने अमेरिका और इस्राइल की जनता को संबोधित एक बयान में कहा कि बेंजामिन नेतन्याहू और डोनाल्ड ट्रंप के धोखे में अपने बच्चों को नरक में न भेजें। उन्होंने कहा कि हमलावर सैनिक ईरानी राष्ट्र के लाखों लोगों के सागर में डूब जाएंगे और गायब हो जाएंगे। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि युद्धक्षेत्र की वास्तविकताओं को तोड़-मरोड़ कर पेश करके लोगों को गुमराह किया जा रहा है। बयान में कहा गया है, 'युद्ध की सच्चाई आपको अमेरिकी गैस स्टेशनों पर, ईरान की सड़कों पर, तेल अवीव और हाइफा के आसमान में देखनी चाहिए।' एक रिपोर्ट के अनुसार पेंटागन 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से सैनिकों को मध्य पूर्व में तैनात करने की योजना बना रहा है। इस रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से कहा गया है कि पेंटागन डिवीजन के कुछ हिस्सों को क्षेत्र में भेजने की योजना बना रहा है, जिसमें एक कमांड और कुछ जमीनी बल शामिल हैं। यह तैनाती अमेरिका की ओर से खर्ग द्वीप पर एक संभावित ज़मीनी कार्रवाई की ओर इशारा कर रही है।

ईरान में उतर सकती है 82वीं एयरबोर्न डिवीजन

दूसरे विश्व युद्ध में अमेरिका की जीत में भूमिका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक तरफ तो ईरान के साथ बातचीत होने तक उसके प्रमुख ऊर्जा संयंत्रों को निशाना न बनाने की बात कही है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका तेजी से पश्चिम एशिया में में अपनी सैन्य टुकड़ियों की तैनाती बढ़ा रहा है। ईरान युद्ध में अमेरिका की इस दोतरफा नीति के बीच उसकी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन की चर्चाएं सबसे ज्यादा हैं, जो कि सामान्य सेना की तरह युद्ध में नहीं उतरती, बल्कि यह बल अपने कौशल के जरिए संघर्ष का रुख बदलने की क्षमता रखता है। अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ किए गए हमले और इसके बाद तेहरान की तरफ से किए गए पलटवार का दौर लगातार 26वें दिन भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया था कि उनके कुछ अधिकारी ईरानी शासन के साथ संपर्क में हैं और अगले पांच दिन बातचीत पर जोर देंगे। अमेरिका-इस्राइल की तरफ से ईरान के खिलाफ किए गए हमले और इसके बाद तेहरान

की तरफ से किए गए पलटवार का दौर लगातार 26वें दिन भी जारी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एलान किया था कि उनके कुछ अधिकारी ईरानी शासन के साथ संपर्क में हैं और अगले पांच दिन बातचीत पर जोर देंगे। इस बीच सामने आया कि ट्रंप ने कुछ समय पहले ही जिन 5000 मरीन्स को ईरान के आसपास तैनाती के लिए भेजने की बात कही थी, वह कुछ समय में ही पश्चिम एशिया में मौजूद होंगे। ऐसे में ईरान से जुड़े विश्लेषकों ने कहा कि ट्रंप पांच दिन बातचीत का बहाना बना रहे हैं, ताकि वह अपनी नई सैन्य टुकड़ियों के जरिए ईरान के खिलाफ नई रणनीति को अंजाम दे पाएं। खबरें आईं कि अमेरिका अपनी 82वीं एयरबोर्न डिवीजन को भी ईरान में उतारने की तैयारी कर रहा है, ताकि संघर्ष में अपने कुछ लक्ष्यों को तुरंत पूरा किया जा सके। विश्व युद्ध में इसके साहसिक अभियानों से मिली। 6 जून 1944 को डी-डे (ऑपरेशन ओवरलॉर्ड) के दौरान, इसके लगभग 6,400 पैराट्रूपर्स को नाजी-कब्जे वाले फ्रांस के नॉरमैंडी में दुश्मन की सीमा के पीछे पैराशूट से उतारा गया था। इस रणनीति का असर यह हुआ कि जो जर्मन सेना अमेरिका के मित्र देशों की सेना (अलायड फोर्सेज) का सामना करने के लिए बढ़ रही थी, उसके लिए पीछे अमेरिकी सैनिकों का खतरा भी बढ़ गया। ऐसे में जर्मनी के लिए यह दो दिशाओं वाला युद्ध बन गया। दूसरी तरफ अमेरिका ने दुश्मन की धरती पर सैनिक उतारकर अहम पुलों पर कब्जा किया। साथ ही अहम रास्तों को सुरक्षित किया और जर्मन सेना को होने वाली रसद और गोला-बारूद की सप्लाई में बड़ा रोड़ा लगा दिया। 82वीं एयरबोर्न डिवीजन के सैनिकों ने इस दौरान 33 दिन तक बिना किसी राहत सामग्री के युद्ध किया और जर्मन सेना को उलझाए रखा।

ईरान पर इस्राइल-अमेरिकी हमलों में आई तेजी, शिराज क्षेत्र में दो किशोरों की मौत

अमेरिका-इस्राइल की ओर से ईरान पर बढ़ाए गए हमले

तेहरान, एजेंसी। ईरान के बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास दूसरे हमले के बाद रूस के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका और इस्राइल पर जानबूझकर परमाणु आपदा को भड़काने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इसकी वजह से मॉस्को को ईरान और रूस के संयुक्त रूप से निर्मित स्थल से और अधिक कर्मचारियों को निकालना पड़ा है। आईआरएनए समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार शाम को शिराज क्षेत्र के काफ्री गांव में एक आवासीय क्षेत्र पर अमेरिकी-इस्राइली हमले में दो किशोर लड़कों की मौत हो गई। हमले में मारे गए लड़कों की पहचान इल्या और अमीर हुसैन शराफी के रूप में हुई है।

यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस बोले- पश्चिम एशिया संघर्ष का सबसे बुरा असर गरीबों और कमजोरों पर

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को चेतावनी दी कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का सबसे अधिक प्रभाव सबसे गरीब और सबसे कमजोर आबादी पर पड़ रहा है। उन्होंने युद्ध को तत्काल खत्म करने और कूटनीति के लिए एक नए सिरे से प्रयास करने का आह्वान किया है। एक्स पर एक

पोस्ट में गुटेरेस ने कहा कि संघर्ष के मानवीय परिणाम उन नागरिकों द्वारा भुगते जा रहे हैं जिनकी इस संघर्ष में कोई भूमिका नहीं थी। उन्होंने कहा, 'मध्य पूर्व में संघर्ष के झटके उन लोगों को सबसे अधिक लग रही हैं जिनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है: सबसे गरीब और सबसे कमजोर। '

ईरान पर अमेरिका और इस्राइल के हमलों की संख्या और तीव्रता बढ़ती जा रही है। यह सिलसिला लगातार चल रहा है। ईरान के शिराज में हुई बमबारी में दो लोगों के मारे जाने की खबर है। वहीं, दक्षिण में स्थित लामर्ड हवाई अड्डे पर भी बमबारी की गई है। युद्ध की शुरुआत से ही इस्फहान और कराज पर लगातार हमले किए जा रहे हैं। जर्मनी के रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान युद्ध 'विश्व की अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक आपदा' है। बोरिस पिस्टोरियस ने ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़े युद्ध के राजनयिक समाधान का आह्वान किया है। उन्होंने इस संघर्ष को आर्थिक विपदा बताया है। कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई संसद भवन में पत्रकारों से बात करते हुए पिस्टोरियस ने कहा कि जर्मनी किसी भी प्रकार की शांति स्थापित करने में मदद करने के लिए तैयार है। कुवैत ने जारी की विकिरण संबंधी चेतावनी, ईरान के परमाणु संयंत्र के पास हुआ था हमला कुवैत ने विकिरण संबंधी चेतावनी जारी की।

● हिंद महासागर में गिरने का वीडियो भी जारी!

ईरान ने किया अमेरिकी एफ-18 लड़ाकू विमान गिराने का दावा

तेहरान, एजेंसी। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा है कि उसने अमेरिकी स्न्/-18 हॉर्नेट लड़ाकू विमान को सफलतापूर्वक निशाना बनाकर गिरा दिया। आईआरजीसी के अनुसार, चाबहार के पास ईरानी एयर डिफेंस सिस्टम ने इस फाइटर जेट को टारगेट किया, जिसके बाद यह इंडियन ओसीन में गिर गया। ईरान ने इस दावे के समर्थन में एक वीडियो भी जारी किया है।

ईरानी नेता एमबी ग़ालिबफ़ ने चेतावनी देते हुए कहा कि कुछ जानकारी के आधार पर ईरान के दुश्मन, किसी क्षेत्रीय देश के समर्थन से, उसके एक द्वीप पर कब्जा करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरानी सेना दुश्मन की हर गतिविधि पर नजर रख रही है और अगर किसी ने सीमा पार करने की कोशिश की तो उस देश के सभी महत्वपूर्ण ढांचे को बिना किसी रोक-टोक के नष्ट कर दिया जाएगा। इससे पहले भी ईरान ने दावा किया था कि उसने अमेरिकी

एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन पर करूज मिसाइलों से हमला किया है। ईरान ने चेतावनी दी कि अगर यह पोत दोबारा उसकी सीमा के पास आया तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे। हालांकि, अमेरिकी यूनाइटेड स्टेट्स सेंट्रल कमांड ने

इन दावों को खारिज करते हुए कहा कि उनका कोई भी फाइटर जेट या पोत नष्ट नहीं हुआ है। ईरान ने यह भी दावा किया कि उसने अमेरिका के अत्याधुनिक एफ-35 लरइटिंग टू फाइटर जेट को निशाना बनाया, जिसके बाद उसे इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। सेंटकॉम के मुताबिक, यह पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ फाइटर जेट ईरान के ऊपर एक मिशन के दौरान हमले का सामना करने के बाद एक अमेरिकी एयरबेस पर सुरक्षित उतारा गया।

क्या सच में आएगा रामराज्य?

सरकार की तैयारी पर बड़ा सवाल

रामनवमी का पावन पर्व भारतीय जनमानस के लिए केवल एक तिथि नहीं, बल्कि मर्यादा, त्याग और सत्य की विजय का उत्सव है। यह पर्व हमें एक ऐसे आदर्श समाज की स्मृति दिलाता है, जिसे रामराज्य के रूप में युगों-युगों से एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ माना गया है। नवंबर 2025 में अयोध्या में 'धर्म ध्वजारोहण' के अवसर पर जो संवाद प्रधानमंत्री मोदी द्वारा राष्ट्र के सम्मुख रखा गया, वह न केवल भारत की सांस्कृतिक चेतना के पुनर्जागरण का प्रतीक था, बल्कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक सुस्पष्ट नैतिक रोडमैप भी था। इस विमर्श का सबसे गहरा पक्ष 'विभीषण गीता' का वह प्रसंग था, जिसके माध्यम से प्राचीन मानवीय मूल्यों को आधुनिक सुशासन और राष्ट्र-निर्माण से जोड़ा गया। यह संवाद उस गंभीर क्षण पर होता है, जब रावण को अस्त्र-शस्त्रों से सुसज्जित एक विशाल रथ पर सवार देखकर विभीषण विचलित हो जाते हैं। इसके उत्तर में जिस 'धर्मरथ' का वर्णन किया गया, वह भौतिक संसाधनों पर आंतरिक गुणों और चारित्रिक सुदृढ़ता की श्रेष्ठता का उद्घोष है।

किसी राष्ट्र की उन्नति के लिए साहस और संयम का संतुलन अनिवार्य है। धर्मरथ के दो पहिए 'शौर्य' और 'धैर्य' इसी संतुलन को दर्शाते हैं। समकालीन संदर्भों में 'शौर्य' का अर्थ नीतिगत निर्णय लेने का साहस और चुनौतियों के सामने अडिग रहने की इच्छाशक्ति है। वहीं 'धैर्य' का अर्थ है उन सुधारों के दीर्घकालिक परिणामों के प्रति प्रतिबद्धता और वैश्विक संकटों के समय विचलित न होना। विकसित भारत के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह आवश्यक है कि राष्ट्र का रथ इन दो गुणों के संतुलन से चले। धर्मरथ की ध्वजा 'सत्य' और 'शील' का प्रतीक है। आधुनिक सुशासन में 'सत्य' का अर्थ पारदर्शिता और जवाबदेही है। जब व्यवस्था में भ्रष्टाचार के लिए कोई स्थान नहीं होता और प्रत्येक निर्णय सार्वजनिक हित में लिया जाता है, तब सत्य की ध्वजा ऊंची रहती है। आज 'शील' या सदाचार का अर्थ नागरिकों और लोकसेवकों का वह आचरण है, जो मर्यादा के अनुकूल हो। यह आचरण ही किसी देश की छवि को वैश्विक पटल पर स्थापित करता है। बल, विवेक, दम और परहित राष्ट्र की चतुर्मुखी शक्ति है। धर्मरथ को खींचने वाले ये चार 'घोड़े' राष्ट्र की शक्ति और उसके उद्देश्यों को परिभाषित करते हैं। जहां 'बल' राष्ट्र की सामर्थ्य और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है, वहीं 'शक्ति' संग विवेक का होना अनिवार्य है। आज के युग में विवेक का अर्थ है वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तकनीक का मानवीय कल्याण के लिए उपयोग। प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग और पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति जिम्मेदारी 'दम' का ही आधुनिक रूप है। 'परहित' भी महत्वपूर्ण है। विकास की सार्थकता तभी है, जब वह समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे। इन चार घोड़ों को नियंत्रित करने वाली लगाम क्षमा, कृपा और समता की रस्सियां हैं। बिना सामाजिक न्याय और समानता के विकास का रथ अनियंत्रित हो सकता है। समावेशी विकास का अर्थ ही यही है कि समाज का हर वर्ग समान रूप से सशक्त बने।

अयोध्या के प्रसंग में 'कोविदार' वृक्ष के प्रतीक का उल्लेख महत्वपूर्ण रहा है। प्राचीन काल में कोविदार का चिह्न अयोध्या की सेना और राज्य की पहचान था। यह प्रतीक हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी जड़ों से कट जाता है, तो उसका वैभव इतिहास में दब जाता है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि एक ऐसा राष्ट्र है जो अपनी भाषाई विविधता, सांस्कृतिक परंपराओं और प्राचीन ज्ञान तंत्र पर गर्व करता हो। मानसिक दासता से मुक्ति और अपनी पहचान की पुनर्स्थापना ही राष्ट्र के आत्मविश्वास को लौटाती है। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी है। यह युवा शक्ति ही वह सारथी है, जो 2047 के संकल्प को सिद्ध करेगी। तकनीक, स्टार्टअप्स और नवाचार के माध्यम से आज के युवा भारत को एक वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने की दिशा में अग्रसर हैं। युवाओं की ऊर्जा को कर्तव्य बोध के साथ जोड़ना ही 'धर्मरथ' को सही दिशा में ले जाने का मार्ग है। 2047 में जब भारत अपनी स्वतंत्रता का शताब्दी वर्ष मनाएगा, वह हमारे लिए केवल एक संख्या ही नहीं, बल्कि एक पड़ाव होगा। विभिन्न शोधों के अनुसार भारत का लक्ष्य 30-35 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ गरीबी को न्यूनतम स्तर पर लाने और प्रति व्यक्ति आय को विकसित देशों के समकक्ष पहुंचाने का है। यह लक्ष्य केवल सरकारी नीतियों से संभव नहीं। इसके लिए 140 करोड़ नागरिकों की सामूहिक भागीदारी और 'धर्मरथ' के मूल्यों का व्यक्तिगत जीवन में समावेश आवश्यक है। प्रभु श्रीराम का जीवन सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी यदि पथ 'धर्म' (कर्तव्य) का हो, तो विजय निश्चित है। जब प्रत्येक नागरिक अपने कार्य को राष्ट्र के प्रति एक आहुति मानेगा और 'परहित' को अपना ध्येय बनाएगा।

व्यंग्य

!! चुप कबीरा बोल मत !!

किचन से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक कचकच करती दुनिया में "चुप कबीरा बोल मत" ही शांति का अंतिम हथियार हो सकता है। लेकिन कबीरा चुप हो जब। यह शांति का हथियार आपको कैसे भी अपनाना होगा। क्योंकि जरूरी नहीं है कि हर अंधे की औलाद को किसी भी तरह की ठोकर खाने पर अंधा ही कहा जाए। ओर यदि आप ऐसा कहने के आदि हो गए हैं तो फिर किसी भी तरह के महायुद्ध के लिए तैयार रहें। युद्ध में फिर सब कुछ होगा। फिर आपके लिए संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था भी कुछ नहीं कर सकती। ओर वास्तव में उसके बस में कुछ है भी नहीं। कटपुतलीयों वाला मंच भर है। क्योंकि हम सब जानते हैं कि 'चार साल से रूस-नॉटो व करीब चार सप्ताह से अमेरिका-ईरान के युद्ध से पर्यावरण कितना अच्छा हो गया है, दुनिया का हवा-पानी स्वच्छता के अपने मानक स्तर पर सबसे ऊपर है, बच्चों-महिलाओं के मानव अधिकार सुरक्षित है और यदि कोई साल में एक बार दिवाली पर आतिशबाजी करके थोड़ा बहुत वायु प्रदूषण करते हो, होली पर थोड़ा बहुत पानी बर्बाद करते हो! तो उन्हें कबीरा के लोग पर्यावरण व जल संरक्षण का लेक्चर फटकारते हैं। वहीं यह भी अद्भुत विडंबना है कि संयुक्त राष्ट्र की निगरानी में इनसे जुड़े देश कितना अच्छा पर्यावरण संरक्षण करके विकास का मॉडल बाकी दुनिया के लिए प्रस्तुत कर रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का विश्व शांति का यह मॉडल हमें भी अपने अन्य मित्रों के साथ अपना लेना ही चाहिए! युद्ध में हमें भी कूद ही जाना चाहिए।' अभी तक कबीरा बाजार में सिर्फ खड़ा था लेकिन अब उसे चुपचाप भी रहना होगा। कबीरा जैसे ही कुछ बोलता है बाजार के भाव बढ़ने-घटने लगते हैं। बाजार युद्ध में भी अपना व्यापार बढ़ा रहा है। कबीरा व्यापार के लिए नये नये तरीकें खोज रहा है। जनता सोशल मीडिया चौराहे पर यह सब देख रही हैं। जनता को कोविड के बाद फिर डर सता रहा है कि लाईन में लगना पड़ेगा। जनता डर में संग्रह करने लगती हैं। कबीरा ने अपनी अद्भुत वाणी के बल यह चमत्कार कर दिया! बाजार की चाल बढ़ा दी। जनता फिर कर्ज लेकर घी पियो वाले मकड़जाल में फंसने के लिए तैयार है। कबीरा अब जब जब जुबान खोलता है, युद्ध शुरू हो जाता है। 'यह युद्ध पति-पत्नी की जुबानी जंग जैसा ही रहता है। यह जुबानी जंग माता-पिता के बीच चलती हैं और अंतोगत्वा बच्चे कूटे-पीटे जाते हैं। परिवार में शांति स्थापित करने का यह मॉडल कबीरा ही ला सकता है।' इधर जैसे ही कबीरा चुप रहने लगता है तो बाजार को घबराहट होने लगती है। बाजार चाहता है कि कबीरा की वाणी धाराप्रवाह चलती रहे और बाजार गुलजार रहे। बाजार, कबीरा व युद्ध के गठबंधन ने दुनिया को एक ऐसे चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है कि इसमें आम आदमी ना घर का रहा और ना ही घाट का! वह धोबी के कुत्ते से भी दयनीय स्थिति में पहुंच गया है। उसे बाजार की हर चौखट से लात ही पड़ रही है। इधर जैसे तैसे कबीरा को चुप करवाओ, उसकी चाल टेढ़ी होने लगती है। वह पृथ्वी को तीन पग में पाना चाहता है। कबीरा के लिए पृथ्वी खिलौना हो गई है। वह उसे बाजार की एक वस्तु भर मान बैठा है। जैसे जैसे कबीरा उम्र के एक पड़ाव पर पहुंच रहा है उसकी जबान व जज्बात उसे भटका रहे हैं। लगता है कबीरा को अब बाजार से लंबी यात्रा पर निकल ही जाना चाहिए। या फिर कबीरा को सबसे पहले बार बार यह कहना बंद करना होगा कि "कबीरा खड़ा बाजार में..!!" बल्कि उसे बाजार में खड़ा रहना नहीं चाहिए। आजकल बाजार एआई के भरोसे अच्छे से चल सकता है। चलाने वाले चला रहे हैं। चलने वाले चल भी रहे हैं और बनने वाले बन भी रहे हैं!

कबीरा को बाजार से निकलकर अपने घर की

भोपाल के कोलार में खूनी चुनरी यात्रा

कोलार थाना क्षेत्र में बुधवार शाम धार्मिक चुनरी यात्रा के दौरान फायरिंग हो गई। डांस को लेकर हुए मामूली विवाद में बदमाश ने अवैध पिस्टल से फायर कर दिया। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी, लेकिन मारपीट में एक युवक घायल हो गया। कोलार पुलिस ने बदमाश के खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, बुधवार शाम को ललिता नगर निवासी संदीप ठाकुर द्वारा पहाड़ी मंदिर के लिए चुनरी यात्रा का आयोजन किया गया था।

यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाएं, स्थानीय लोग और शहर के अन्य इलाकों से आए परिचित शामिल थे। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस बल भी मौके पर तैनात था। शाम करीब छह बजे जब यात्रा ललिता नगर से आगे बढ़ रही थी, तभी डांस

को लेकर गरीब नगर निवासी हरिओम यादव और कुछ अन्य युवकों के बीच कहासुनी हो गई।

यात्रा में बन गई भगदड़ जैसी स्थिति

देखते ही देखते विवाद बढ़ा और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान थाने की गुंडा सूची में शामिल अक्षय ठाकुरिया मौके पर पहुंचा और दूसरे पक्ष को डराने के लिए अपनी अवैध पिस्टल से फायर कर दिया। गोली चलने से यात्रा में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और लोग दहशत में इधर-उधर भागने लगे। हालांकि फायरिंग में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन मारपीट में हरिओम यादव को चोट आई है।

आरोपी मौके से फरार

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज कर लिया है। एसआइ कमल सिंह के मुताबिक घटनास्थल से कोई कारतूस बरामद नहीं हुआ है और आरोपित की तलाश जारी है।

दिल्ली समेत 70 एयरपोर्ट से हटेंगे 12 हजार CISF जवान, तैनात किए जाएंगे प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड

दिल्ली-मुंबई समेत देश के 70 से अधिक हवाई अड्डों की सुरक्षा में लगे CISF जवानों को बड़ी संख्या में हटाया जा सकता है। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (BCAS) ने इन एयरपोर्ट का सिक्योरिटी रिव्यू किया। इसके बाद 50 हजार जवानों में से करीब 12 हजार जवानों को हटाने की एक लिस्ट बनाई गई है। सूत्रों का कहना है कि BCAS ने यह लिस्ट नागर विमानन मंत्रालय और संबंधित एजेंसियों को भी सौंप दी है। अब इस बात पर गहन चर्चा की जा रही है कि क्या देश और दुनिया में मौजूदा संकटों को देखते हुए देश के हवाई अड्डों से इतनी बड़ी संख्या में CISF जवानों को हटाना सही रहेगा।

कहां तैनात किए जाएंगे प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड

मंत्रालय से जुड़े सूत्रों का यह भी कहना है कि इसमें सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जा रहा है, बल्कि सर्वे में सभी एयरपोर्ट के संवेदनशील, अतिसंवेदनशील और ऐसे पॉइंट्स की पहचान की गई, जहां खतरा ना के बराबर है और ऐसे पॉइंटस पर प्राइवेट सिक्योरिटी गार्ड रखकर भी काम चलाया जा सकता है।

CISF जवान यहां सबसे ज्यादा हैं तैनात

सबसे अधिक जवान दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू, **हैदराबाद और चेन्नै जैसे बड़े एयरपोर्ट पर तैनात है। यहां कई पॉइंट्स पर इनकी इतनी बड़ी संख्या में जरूरत नहीं है। स्टडी भी इसी बात को ध्यान में रखते हुए की गई है कि जहां CISF के ट्रेंड जवान की जरूरत ही नहीं है, वहां ट्रेंड जवान क्यो लगाए जाएं। उनकी जगह निजी सुरक्षाकर्मियो को लगाकर काम चलाया जा सकता है। इससे खर्चा भी कम होगा और लोगों को भी कोई असुविधा नहीं होगी। हालांकि जहां जरूरी होगा, वहां से CISF नहीं हटेंगे।**

अफवाहों की आग में झुलसे पेट्रोल पंप UP से महाराष्ट्र तक भारी भीड़, कहीं घोड़े पर दफ्तर पहुंचे कर्मचारी तो कहीं टली शादी

देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल खत्म होने की एक अफवाह ने पैनिक बाइंग (घबराहट में खरीदारी) की स्थिति पैदा कर दी है। मध्य प्रदेश और गुजरात से शुरू हुआ यह सिलसिला अब उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, असम और दक्षिण भारत के राज्यों तक पहुंच गया है। आलम यह है कि पेट्रोल पंपों पर वाहनों की कई किलोमीटर लंबी कतारें लगी हैं, जबकि प्रशासन बार-बार दावा कर रहा है कि तेल का स्टॉक पर्याप्त है। प्रयागराज से देवरिया तक हाहाकारयूपी के कई जिलों जैसे प्रयागराज, गोंडा, सिद्धार्थनगर और हापुड़ में लोग अपनी गाड़ियों की टंकियां फुल कराने के लिए घंटों लाइन में खड़े हैं। यहां पेट्रोल खत्म होने की खबर आग की तरह फैली। देवरिया की डीएम दिव्या मित्तल ने वीडियो संदेश जारी कर लोगों से शांति की अपील की और कहा कि आपूर्ति सुचारु है। गोंडायहां कुछ पंप बंद होने से अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पंप मालिकों और एडीएम आलोक कुमार ने स्पष्ट किया कि तेल की कोई कमी नहीं है और अफवाह फैलाने वालों पर एफआईआर (FIR) दर्ज की जाएगी। मध्य प्रदेशघोड़े पर दफ्तर और 149 लीटर पेट्रोल का दावाएमपी में हालात सबसे ज्यादा चर्चा में हैं। देवास में पेट्रोल की लाइन से बचने के लिए एक बैंक कर्मचारी घोड़े पर सवार होकर ऑफिस पहुंच गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। इंदौर में यहां 149 प्रति लीटर पेट्रोल बेचने की अफवाह उड़ी, जिस पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए जांच शुरू कर दी है। भोपाल में एक पंप द्वारा पेट्रोल की लिमिट (200 से ज्यादा नहीं) तय करने पर प्रशासन ने उसे सील कर दिया। महाराष्ट्र और दक्षिण भारत में भी संकटमहाराष्ट्र में वाशिम, पुणे, कोल्हापुर और सोलापुर जैसे शहरों में भीषण गर्मी और तेज धूप के बावजूद लोग घंटों कतार में लगे रहे। लोगों का कहना है कि उन्होंने सुना है कि अगले कुछ दिनों तक पेट्रोल नहीं मिलेगा। दक्षिण भारत में हैदराबाद और चेन्नई में भी पेट्रोल पंपों के बाहर भारी भीड़ देखी गई, जिससे यातायात व्यवस्था भी प्रभावित हुई। गैस सिलेंडर की किल्लत और अवैध कारोबारतेल के साथ-साथ एलपीजी (LPG) को लेकर भी खबरें चिंताजनक हैं। हापुड़यहां गैस ना मिलने के कारण एक परिवार को अपनी बेटी की शादी टालनी पड़ी। दिल्लीद्वारका में पुलिस ने अवैध गैस रिफिलिंग रैकेट का भंडाफोड़ कर 200 से ज्यादा सिलेंडर जब्त किए हैं। प्रशासन की अपीलसरकार और जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि देश में ईंधन और गैस का पर्याप्त भंडार मौजूद है। लोग किसी भी अपुष्ट खबर या सोशल मीडिया संदेश पर भरोसा न करें। सप्लाई चेन पूरी तरह सुरक्षित है।

पुणे जमीन घोटाला की आ गई रिपोर्ट

पावर ऑफ अटॉर्नी अवैध, पार्थ पवार के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश नहीं

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर पुणे का मुंधवा जमीन सौदा चर्चा के केंद्र में आ गया है। इस मामले की जांच कर रही विकास खरगे समिति ने अपनी आधिकारिक रिपोर्ट बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा में पेश कर दी है। इस रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुणे के मुंधवा क्षेत्र में स्थित करोड़ों रुपये की सरकारी जमीन को पार्थ पवार की सह-स्वामित्व वाली कंपनी अमाडिया एंटरप्राइजेस (Amadia Enterprises LLP) को बेचने के लिए हुआ लेन-देन नियमों के खिलाफ था। इसमें सरकारी अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। समिति ने अपनी रिपोर्ट में पाया है कि सरकारी जमीन के लिए एनसीपी सांसद पार्थ पवार के पक्ष में किया गया पावर ऑफ अटॉर्नी अवैध, गलत और आपराधिक प्रकृति का था। हालांकि, समिति ने उनके खिलाफ सीधे कार्रवाई की सिफारिश नहीं की है और कहा है कि उनकी भूमिका की जांच पुलिस जांच का हिस्सा है।

रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया है, सरकारी जमीन के संबंध में पावर ऑफ अटॉर्नी बनाना अवैध और गलत है। यह मामला आपराधिक प्रकृति का है। साथ ही यह भी जोड़ा गया है कि यह पावर ऑफ अटॉर्नी पहले से दर्ज एफआईआर के साथ-साथ चल रही पुलिस जांच का हिस्सा है।

बता दें कि पार्थ पवार एनसीपी के दिग्गज नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे हैं। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार के बेटे पार्थ हाल ही में राज्यसभा सांसद बने हैं।

क्या है पूरा मामला?

मुंधवा क्षेत्र में करीब 40 एकड़ सरकारी जमीन, जो राज्य सरकार के स्वामित्व में थी, उसे निजी कंपनी अमाडिया एंटरप्राइजेस को बेच दिया गया। खास बात यह है कि इस कंपनी में पार्थ पवार की बड़ी हिस्सेदारी बताई जाती है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जमीन पहले भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) को पट्टे पर दी गई थी, बावजूद इसके इसे निजी कंपनी को बेचना गंभीर अनियमितता की ओर इशारा कर रहा है।

समिति की रिपोर्ट में क्या खुलासा?

इस पूरे मामले की जांच के लिए महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव खरगे की अध्यक्षता में समिति बनाई थी। समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि यह सौदा पूरी तरह से नियमों के खिलाफ था। राजस्व, स्टाम्प और पंजीकरण विभाग के अधिकारियों ने इस लेन-देन को आसान बनाया। इसमें स्पष्ट रूप से गंभीर चूक और मिलीभगत के संकेत हैं।

समिति की रिपोर्ट में खास तौर पर पार्थ पवार की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि शीतल तेजवानी, जो मुंढवा भूमि की पावर ऑफ अटॉर्नी धारक के रूप में कार्य कर रही थीं, ने इसी विवादित जमीन के लिए पार्थ पवार के पक्ष में एक नोटरीकृत पावर ऑफ अटॉर्नी तैयार किया था। समिति के अनुसार, यह कदम अपने आप में ही अवैध था। समिति ने अमाडिया एंटरप्राइजेस के पार्टनर दिग्विजय पाटिल को भी जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्हें विवादित जमीन की जानकारी होने के बावजूद खरीदारी नहीं करनी चाहिए थी। समिति ने यह भी माना कि इस मामले में आपराधिक प्रकृति के अपराध शामिल हो सकते हैं। अब पुणे पुलिस इस रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। बुधवार को जब यह रिपोर्ट महाराष्ट्र विधानसभा के पटल पर रखी गई, तो राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। अब इस मामले में आगे की कार्रवाई को लेकर सबकी नजरें राज्य सरकार और जांच एजेंसियों पर टिकी हैं। अगर आपराधिक जांच आगे बढ़ती है, तो यह मामला महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा मुद्दा बन सकता है।

रिश्तों का कत्ल!

बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर मां को मारा, घर में ही रखा शव-1 साल बाद खुलासा

हैदराबाद हैदराबाद से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई हैं। एक युवती ने प्रेमी के साथ मिलकर प्रेम संबंध में बाधा बनी अपनी मां को हटाने के लिए एक साजिश रची और मौत के घाट उतार दिया। बेटी ने शव को करीब एक साल तक अपने घर के भीतर भी छिपाए रखा। एक साल तक किसी को भी इस बात का पता नहीं चला। जब मामले का खुलासा हुआ तो सब स्तब्ध हो गए। वहीं मृतका की पहचान अंजू के रूप में हुई है। पूरी घटना जवाहर नगर थाना क्षेत्र के भारत नगर की है। घटना का खुलासा होने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वहीं पड़ोसियों ने कहा कि इस तरह की घटना का कोई अंदाजा नहीं था कि बेटी प्रेमी के साथ मिलकर अपनी ही मां की हत्या कर देगी।

क्या है पूरा मामला

दरअसल, पिछले साल मई में अंजू लापता हो गई थी। उस समय पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। हालांकि लंबे समय तक महिला का कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने जब जांच की तो मामले का खुलासा हुआ। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि मृतका की बेटी का युवक के साथ प्रेम संबंध था। बेटी को लगता

था कि उसकी मां प्रेम संबंध में बाधा बनी हुई है। इसके बाद उसने प्रेमी के साथ मिलकर अपनी मां को रास्ते से हटाने की योजना बनाई। बाद में युवती और प्रेमी ने मिलकर महिला की हत्या कर दी और शव को घर में ही छिपाकर रखा। बताया जा रहा है कि इसके बाद दोनों घर में सामान्य जीवन जीते रहे।

पुलिस ने किया खुलासा

पुलिस को करीब एक साल बाद जब सच्चाई का पता चला तो हैरान हो गई। मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और आगे की जांच में जुट गई। वहीं दोनों आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

चाहे कलेक्टर हो, कमिश्नर या प्रमुख सचिव अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता: हाईकोर्ट

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की ग्वालियर बेंच में दीनारपुर जमीनी मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने सरकारी अफसरों की देरी पर सख्त रुख अपनाया। सुनवाई में शासन की ओर से सरकारी वकील एसएस कुशवाहा और प्रतिवादी की ओर से वकील सुदामा प्रसाद चतुर्वेदी मौजूद रहे। कोर्ट को बताया गया कि 18 मार्च के आदेश के बाद सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) के प्रमुख सचिव ने शपथपत्र पेश किया है। इसके साथ ही राजस्व विभाग ने 24 मार्च को एक सर्कुलर जारी किया है, जिसे सभी कमिश्नर और कलेक्टरों को भेजा गया है।

जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी

इस सर्कुलर में सुप्रीम कोर्ट के रामकुमार चौधरी केस के आधार पर साफ कहा गया है कि अब किसी भी मामले में अपील समय पर दायर करना जरूरी होगा। अगर इसमें देरी होती है, तो जिम्मेदार अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। सरकार ने कोर्ट को यह भी बताया कि इस विषय पर पूरी गाइडलाइन तैयार की जा रही है, जिसे दो-तीन दिन में जारी कर दिया जाएगा। अफसर भले ही देर से जागे हों, नियमों का सख्ती से पालन करना होगा इस संबंध में न्यायमूर्ति जीएस अहलूवालिया ने कहा कि अफसर भले ही देर से जागे हों, लेकिन अब नियमों का सख्ती से पालन करना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि अब कोई भी अधिकारी चाहे कलेक्टर हो, कमिश्नर या प्रमुख सचिव अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकता। कोर्ट ने यह भी कहा कि कई बार अधिकारी जानबूझकर अपील में देरी करते हैं और बाद में कोर्ट के आदेश का सहारा लेकर बचने की कोशिश करते हैं, जो अब नहीं चलेगा।

जल्द ही विस्तृत गाइडलाइन कोर्ट में पेश की जाए

कोर्ट ने आदेश दिए किए 24 मार्च का सर्कुलर पूरी तरह लागू किया जाए। वहीं राजस्व विभाग इस सर्कुलर को अपनी वेबसाइट पर डाले और जल्द ही विस्तृत गाइडलाइन कोर्ट में पेश की जाए। अब इस मामले की अगली सुनवाई एक अप्रैल को होगी। उस दिन सरकार को नई गाइडलाइन कोर्ट में पेश करनी होगी।